भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1431

06 दिसम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र का प्रदर्शन

1431. श्री नरेश बंसल:
डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
डॉ. कल्पना सैनी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025 में इस्पात क्षेत्र का अपेक्षित निष्पादन कैसा रहा है ;

(ख) क्या विगत वर्षों की तुलना में इस्पात क्षेत्र के कार्य-निष्पादन में कोई वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) निर्माण, मोटर वाहन और रक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों पर इस्पात क्षेत्र का क्या प्रभाव पड़ा है ; और

(घ) उत्तराखंड राज्य सहित देश में इस्पात के उत्पादन, खपत और घरेलू मांग में वृद्धि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)**

(क) से (घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। निम्न सारणी विगत पांच वर्षों के दौरान इस्पात उत्पादन और खपत की वृद्धि को दर्शाती है :-

वर्ष	**कच्चा इस्पात (एमएनटी में)**	**तैयार इस्पात (एमएनटी में)**	
	उत्पादन	**उत्पादन**	**खपत**
2019-20	109.14	102.62	100.17
2020-21	103.54	96.20	94.89
2021-22	120.29	113.60	105.75
2022-23	127.20	123.20	119.89
2023-24	144.30	139.15	136.29
अप्रैल-अक्टूबर '23	82.47	79.13	76.01
अप्रैल-अक्टूबर '24	85.40	82.81	85.70
स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)			

वित्तीय वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023-24 तक का तैयार इस्पात उत्पादन का राज्यवार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

जारी..... 2/-

निर्माण, मोटर वाहन और रक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों पर इस्पात क्षेत्र का प्रभाव निम्नानुसार है :-

निर्माण क्षेत्र: इस्पात बड़े पैमाने पर अवसंरचनात्मक परियोजनाओं जैसे राजमार्ग, पुल, रेल और मेट्रो प्रणालियों के निर्माण का अभिन्न हिस्सा है। टीएमटी बार, रीबार और वायर रॉड सहित इस्पात उत्पादों की मांग *भारतमाला* और *सागरमाला* जैसी सरकार की अवसंरचना विस्तार की पहलों तथा *प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)* किफायती आवास कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

मोटर वाहन क्षेत्र: इस्पात का उपयोग चेसिस, बॉडी पैनल और इंजन के पुर्जों सहित घटकों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण में किया जाता है। जैसे-जैसे मोटरवाहन उद्योग लगातार बढ़ रहा है- *मेक इन इंडिया* जैसी पहलों से प्रेरित- उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की मांग में विस्तार हुआ है। इस्पात के मजबूत और हल्के वजन का संयोजन कड़े सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है, और इससे ईंधन दक्षता में भी सुधार होता है, जिससे यह आधुनिक वाहन उत्पादन में एक महत्वपूर्ण सामग्री बन जाता है।

रक्षा क्षेत्र: देश की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए रक्षा निवेश बढ़ाने के साथ-साथ विशेष, उच्च शक्ति वाली इस्पात मिश्र धातुओं की आवश्यकता बढ़ गई है। उपस्करों के अतिरिक्त रक्षा अवसंरचनाओं जैसे सैन्य अड्डे और भंडारण सुविधाएं, सड़कें और पुल जिन्हें दीर्घकालिक सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए टिकाऊ और लचीला सामग्री की आवश्यकता होती है, के निर्माण में इस्पात महत्वपूर्ण है।

****

अनुलग्नक

तैयार इस्पात उत्पादन - राज्यवार (000'टी में)

राज्य	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
आंध्र प्रदेश	5165	4207	5556	5692	6062
अरुणाचल प्रदेश	16	0	0	14	20
असम	62	73	96	154	187
बिहार	666	647	740	916	932
चंडीगढ़	0	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	10516	10070	11906	13140	15780
दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव	206	115	128	151	15
दिल्ली	13	25	29	13	161
गोवा	522	380	381	433	476
गुजरात	9240	8779	10267	9436	11414
हरियाणा	580	642	762	718	829
हिमाचल प्रदेश	786	655	1036	1236	1525
जम्मू और कश्मीर	268	244	329	330	340
झारखंड	16499	14766	17267	18333	19796
कर्नाटक	11630	10856	11884	12282	12837
केरल	465	441	523	592	556
मध्य प्रदेश	543	497	828	982	1347
महाराष्ट्र	8683	8677	11378	14454	16260
मेघालय	58	41	52	71	68
ओडिशा	17109	16957	18454	19648	21747
पुदुचेरी	322	308	317	383	457
पंजाब	4453	4390	5196	5222	6117
राजस्थान	1982	1692	1876	2061	2246
तमिलनाडु	2646	2340	2734	3283	3811
तेलंगाना	1737	1728	2089	2529	2971
त्रिपुरा	14	7	18	12	19
उत्तर प्रदेश	2421	1898	1992	2244	2737
उत्तराखंड	685	571	571	577	619
पश्चिम बंगाल	5334	5197	7188	8290	9824
कुल	**102621**	**96204**	**113597**	**123196**	**139153**

स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)